चाणक्य नीति में बताया पैसों का उपयोग कैसे करना चाहिए

चाणक्य नीति में बताया है कि पैसों का उपयोग कैसे करना चाहिए

चाणक्य नीति में आठवें अध्याय के पांचवे श्लोक में पैसों के उपयोग के बारे में बताया है। चाणक्य नीति में अर्थशास्त्र के भी सूत्र बताए गए हैं। चाणक्य नीति के इन सूत्रों की मदद से कोई भी इंसान अपना जीवन सुखी बना सकता है। अपने नीति ग्रंथ में चाणक्य ने मनुष्य जीवन के हर पहलू को अच्छे से समझाया है। चाणक्य ने अपनी नीतियों से समझाया है कि मनुष्य को कैसा जीवन जीना चाहिए, किन मामलों में और कैसी परिस्थितियों में सावधान रहना चाहिए। चाणक्य ने धर्म ग्रंथो को ध्यान में रखकर सही-गलत यानी अच्छे और बुरे कामों के बारे में बताया है।

चाणक्य नीति का श्लोक

वित्तं देहि गुणान्वितेषु मतिमन्नान्यत्र देहि क्वचित्

प्राप्तं वारिनिधेर्जलं घनमुखे माधुर्ययुक्तं सदा ।

जीवान्स्थावरजङ्गमांश्च सकलान्संजीव्य भूमण्डलं

भूय: पश्य तदेव कोटिगुणितं गच्छन्तमम्भोनिधिम् ॥

चाणक्य नीति के इस श्लोक का अर्थ है कि हमें पैसों का उपयोग सावधानी से करना चाहिए। चाणक्य कहते हैं कि हमेशा गुणवान लोगों को ही धन देना चाहिए यानी जो लोग पैसों का उपयोग अच्छे कामों में करते हो, खुद की आजिविका चलाते हुए दूसरों का भी ध्यान रखते हो, अपने पैसों का ऐसा उपयोग करते हो जिससे खुद के साथ दूसरों को भी कुछ मिले, ऐसे लोगों के साथ पैसों का लेन-देन करना चाहिए।

आचार्य चाणक्य इसके लिए बादल का उदाहरण देकर समझाते हैं कि बादल सागर से पानी लेकर मधुर जल की वर्षा करता है। जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राणी जीवित रहते हैं। फिर यही जल कई गुना होकर नदीयों से बहता हुआ समुद्र में चला जाता है।

उसी तरह धनवान लोगों को भी जॉब या बिजनेस के लिए किसी योग्य इंसान की ही मदद करनी चाहिए। जिससे वो व्यक्ति बहुत से लोगों का भला करता है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

Gmail में छुपे हुए हैं अनडू सेंड और जीमेल लैब्स जैसे उपयोगी फीचर

जीमेल एक पावरफुल प्लेटफॉर्म है, जिसमें यूजर की उत्पादकता बढ़ाने वाले कई फीचर्स उपलब्ध हैं। लेकिन कई यूजर्स को या तो इनका पता नहीं होता या फिर वे उनको तलाशने और सीखने के लिए समय नहीं निकाल पाते। जीमेल के इन खास फीचर्स के बारे में जानने के लिए आप ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स ले सकते हैं या फिर इंटरनेट पर संबंधित कंटेंट सर्च कर सकते हैं जो इसके बारे में आपको जानकारी दे सकते हैं। यहां हम आपको ऐसे ही कुछ फीचर्स की जानकारी दे रहे हैं।

नए फीचर्स के लिए- जीमेल लैब्स

किसी भी नए फीचर को जारी करने से पहले जीमेल उसका परीक्षण जीमेल लैब्स में आवश्यक रूप से करता है। लैब फीचर्स में से कई अविश्वसनीय रूप से उपयोगी होते हैं, लेकिन मुख्य समस्या यह है कि गूगल उन्हें कभी भी ड्रॉप या चेंज या तोड़-मरोड़ सकता है। इसके लिए आप यूजर्स सेटिंग्स स्क्रीन पर जीमेल लैब्स का ऑप्शन देख सकते हैं।

मैसेज रिकॉल करने के लिए- अनडू सेंड

टाइपिंग या फैक्ट की गलतियों वाले मैसेज भेज देने पर आप तुरंत उन्हें वापस ले सकते हैं। इसके लिए यूजर को जीमेल की सेटिंग में जाकर अनडू सेंड फीचर को एक्टिवेट करना होगा, इसके बाद भेजे गए मैसेज को रिकॉल करना होगा।

समय बचाने के लिए - कैंड रेस्पॉन्सेज

जीमेल लैब्स स्क्रीन में कैंड रेस्पॉन्सेज नामक ऑप्शन से इस फीचर को एनेबल किया जा सकता है। यह उनके लिए उपयोगी है जो ई-मेल के जरिए एक जैसे सवालों का कई बार जवाब देने से उकता गए हों। अगर आपने किसी ई-मेल को कैंड रेस्पॉन्स के रूप में भेजा है, तो उसे एक ई-मेल टेम्प्लेट की तरह सेव और री-यूज किया जा सकता है।

मैसेज स्कैनिंग जल्दी करने के लिए

प्रिव्यू पेन फीचर की मदद से आप मैसेजेज के कंटेंट्स को बिना ओपन किए देख सकते हैं। इस फीचर को एनेबल करने पर एक टॉगल बटन जुड़ता है जिसके जरिए वर्टिकल, हॉरिजॉन्टल या नो प्रिव्यू पेन में से विकल्प चुना जा सकता है।

ई-मेल से गूगल वॉइस मैसेज सुनना

गूगल अकाउंट के साथ गूगल वॉइस का इस्तेमाल करने के बाद कोई वॉइस मैसेज मिलने पर उसके साथ एक ई-मेल मिलता है। गूगल वॉइस प्लेयर की मदद से जी-मेल के अंदर प्रत्येक वॉइस मेल मैसेज को सुना जा सकता है।

रसायनिक रंगों से बचें, इस तरह घर पर बनाएं प्राकृतिक रंग

रसायनिक रंगों में भारी धातु जैसे सीसा हो सकती है। अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या जो भारी धातु की वजह से होते हैं उनमें स्किन एलर्जी, डर्माटाइटिस, त्वचा का सूखना या चौपिंग, स्किन कैंसर, राइनाइटिस, अस्थमा और न्यूमोनिया शामिल हैं।

होली के दौरान बच्चों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले गुब्बारे खतरनाक साबित हो सकते हैं और इससे आंखों या सिर तक को गंभीर नुकसान हो सकता है। हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. के.के. अग्रवाल के मुताबिक अधिकतर सिंथेटिक रंग आंखों या त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। घर में तैयार किए जाने वाले रंग हमेशा बेहतर होते हैं। रसायनिक रंगों में भारी धातु जैसे सीसा हो सकती है और ये आंख और त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या जो भारी धातु की वजह से होते हैं उनमें स्किन एलर्जी, डर्माटाइटिस, त्वचा का सूखना या चौपिंग, स्किन कैंसर, राइनाइटिस, अस्थमा और न्यूमोनिया शामिल हैं।

इसे भी पढ़ें:रू होली खेलने के लिए प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा

कैसे खुद बनाएं रंग-

आटे में हल्दी मिलाकर पीला रंग बनाएं।

टेसू के फूल की पत्ती से केसरिया रंग तैयार करें।

श्रुकन्दर के टुकड़ों को पानी में भिगोकर मैजेंटा रंग बना सकते हैं।

क्या करें-

अगर रंग में रसायनिक तत्व होंगे तो इससे आंखों में हल्की एलर्जी होगी या फिर बहुत तेज जलन होने लगेगी। मरीज में एलर्जी की समस्या, कैमिकल बर्न, कॉर्नियल एब्रेशन और आंखों में जख्म की समस्या हो सकती हैं। होली के दौरान आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर रंग हल्के लाल रंग के होते हैं और इसका असर 48 घंटे तक रहता है। अगर आंख की दृष्टि स्पष्ट न हो तो तुरंत इमरजेंसी में दाखिल कराया जाना चाहिए।

रंग में मिलाए जाने वाले तत्व (गुलाल में मिलाया जाने वाला चमकदार अभ्रक) से कॉर्निया को नुकसान हो सकता है। कॉर्नियल अब्रेशन एक इमरजेंसी की स्थिति होती है और इसके लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

फस्ट एड अगर कोई भी रंग आंख में चला जाता है तो इसे बहते हुए नल से धोएं। अगर दृष्टि में कमी हो तो कॉर्नियल अब्रेशन से बचाव के लिए आंख के डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।